सफलता की कहानियां

1. एसएमएम शाखा, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, मदुरै, आंचलिक कार्यालय चेन्नई. ..... पेज 2
2. पत्थलगांव शाखा, सेन्ट्रल बैंक इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय अम्बिकापुर, छत्तीसगढ़ ..... पेज 3
3. बरई शाखा, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, मध्य प्रदेश ..... पेज 5

कहानी 1.

एसएमएम शाखा, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, मदुरै, आंचलिक कार्यालय चेन्नई.

श्री एम. मरिवेल सुपुत्र श्री मरिअप्पा थेवर ने अपना बीएसबीडी खाता खोलने के आवेदन पत्र को दिनांक 19.09.2014 को जमा किया और उनका खाता खोला गया. अगले दिन उन्होंने अपना पासबुक लेकर अपने खाते में उन्होंने 100/- रु. भी जमा किए. इसके पश्चात वे शाखा में नहीं आए. उनकी मृत्यु 42 वर्ष की आयु मेंदिनांक 03.01.2015 को हार्ट अटैक (दिल का दौरा पड़ने) से हो गई. वे अपने परिवार के एकमात्र कमाने वाले इंसान थे. एकाएक पड़ी इस विपत्ति से दुखी उनके परिवार के सदस्य अपने पड़ोसियों के साथ शाखा में आए और उनकी मृत्यु की सूचना दी. शाखा में उपस्थित स्टाफ सदस्यों ने दुखी परिवार के सदस्यों को सांत्वना दी. शाखा प्रबन्धक ने आवश्यक दस्तावेज जैसे मृत्यु प्रमाणपत्र, पत्नी के आधार कार्ड की एक प्रति और बचत खाता विवरण आदि ले लिया. उसे तत्काल भारतीय जीवन बीमा निगम, डिवीजनल कार्यालय, मदुरै तथा साथ ही इसकी एक प्रति वित्तीय समावेशन विभाग, केन्द्रीय कार्यालय, मुम्बई को भेज दिया. 48 घंटों के अन्दर ही हमारी शाखा को यह सूचना मिली कि मृतक की पत्नी के बचत खाते में रु. 30,000 पीएमजेडीवाई के अंतर्गत जीवन बीमा के दावे की राशि जमा की गई है. अगले दिन मृतक की पत्नी शाखा में आई और शाखा के स्टाफ सदस्यों तथा अतिनिर्धन परिवारों के लाभ के लिए पीएमजेडीवाई योजना के निर्माताओं को हृदय से धन्यवाद दिया.

कहानी 2.

पत्थलगांव शाखा, सेन्ट्रल बैंक इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय अम्बिकापुर, छत्तीसगढ़

पीएमजेडीवाई की कहानी लीला बाई की जुबानी

मैं लीलाबाई पोर्ते ग्राम करमीटिकरा विकासखण्ड पत्थलगांव जिला जशपुर की निवासी हूं। मेरे साथ मेरे पति स्व श्री अभिराम पोर्ते एवं 02 पुत्र हीरालाल, ओमप्रकाश तथा 02 पुत्री मीरा बाई, नीरा बाई कुल 06 सदस्य रहते थे। तथा कृषि मजदूरी कर अपने जीवन यापन करते थे। हमारे गांव से बैंक की दूरी 07 किलोमीटर होने के कारण हमारा कोई बैंक खाता नहीं था। हमारे गांव के केशव प्रसाद बंजारा जो कि बैंक मित्र सेंट्रल बैंक आंफ इंडिया शाखा पत्थलगांव आधार शाखा के अधीन कार्य करते है, हमारे घर आकर हमें बैंक खाता के बारे में जानकारी प्रदान की एवं हमारे घर पर ही उनके पास उपलब्ध छोटी सी मशीन के माध्यम से हमारा अंगूठा ,फोटो लेकर हमारे मतदान परिचय पत्र से अन्य जानकारी लेकर हमारा बैंक खाता खोल दिया गया, एवं उसका पासबुक भी बैंक से लाकर हमें प्रदान कर दिया ईस प्रकार हमारे गांव मे ही हमें बैंक की सेवा मिलने लगी। जिसकी हमने कभी कल्पना भी नहीं किया था। दिनांक 15.05.2015 को बैक मित्र केशव प्रसाद बंजारा द्वारा गांव में ग्राम सभा के दौरान जिसमें बैंक अधिकारी भी आये हुए थे , प्रधानमंत्री सामाजिक सुरक्षा योजनांतर्गत बीमा के बारे में जानकारी प्रदान की गई। एवं मेरे पति जो कि एक मात्र हमारे घर के कमाने वाले सद्स्य थे , उनके द्वारा बैंक मित्र के माध्यम से खोले गये खाता क्र.2983584334 में राशि जमा कर जीवन ज्योति बीमा योजनांतर्गत फार्म जमा किया गया था। जिसकी हमें पता नहीं था।

दिनांक 07.06.2015 का दिन मेरे जीवन की सबसे दुर्भाग्य का दिन था , कि मेरे पति को लू लग जाने के कारण उनकी तबियत खराब हो गई एवं शाम को निधन हो गया, एवं मैं अपने छोटे बच्चों के साथ अनाथ हो गई। एवं मेरा सहारा भगवान ने मेरे से छिन लिया । मैं अपने आप को असहाय महसूस कर रही थी। गांव वालों को जानकारी मिलने के बाद सभी ने मुझे बहुत ढांढस बढ़ाने की कोशिश की । परंतु मेरे सिर से मेरे पति का साया चले जाने के कारण में मानसिक एवं आर्थिक दोनों रुप से परेशान थी।

इसकी सूचना बैक मित्र द्वारा बैंक अधिकारी को दी गई सूचना मिलते ही बैंक अधिकारी हमसे मिलने हमारे घर आये एवं दिवंगत आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना के साथ हमें प्रधानमंत्री समाजिक सुरक्षा योजनांतर्गत मेरे पति द्वारा की गई बीमा की जानकारी प्रदान की गई। एवं बीमा राशि की क्लेम हेतु आवश्यक दस्तावेज हमसे हमारे घर आकर हमसे भरवाकर बीमा कार्यालय को भेजा गया। एवं मेरे खाता क्र. 3485717637 में दिनांक 21.09.2015 को बीमा क्लेम राशि रु 200000/- जमा हो गया है।

मैं दिल से माननीय प्रधानमंत्री जी को एवं बैंक अधिकारी ,बैंक मित्र को धन्यवाद देती हू, जिनके माध्यम से आज संकट की घड़ी में आर्थिक मदद पहुचाया है। एवं जिनके द्वारा जीने का सहारा प्रदान की गई है।

लीला बाई पोर्ते पत्नि स्व श्री अभिराम पोर्ते

ग्राम: करमी टिकरा वि.ख.पत्थलगांव (छ.ग.)

कहानी 3.

बरई शाखा, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, मध्य प्रदेश

गजेन्द्र सिंह पनिहार गांव के निवासी है जो सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया की बरई शाखा, मध्य प्रदेश के पास में स्थित है. अगस्त माह, 2014 में पीएमजेडीवाई योजना के अंतर्गत खाता खोला। वे एक सीमांत किसान है और अपनी छोटी सी जमीन में अनाज उगाते है. सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया में पीएमजेडीवाई योजना के शुभारम्भ के समय बरई शाखा ने आस पास के गांवों में व्यापक प्रचार करवाया और इस कारण बहुत सारे व्यक्तियों ने पीएमजेडीवाई योजना के अंतर्गत खाता खोलने के लिए बैंक से सम्पर्क किया. गजेन्द्र सिंह के पास कोई बैंक खाता नहीं था और उन्हें बैंक खाते के लाभ के बारें में कोई जानकारी नहीं थी. सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने श्री गजेंद्र सिंह को बैंकिंग के विभिन्न उत्पादों और सेवाओं तथा बैंकिंग से होने वाले विभिन्न लाभों के बारें में बताया जिससे वे लाभ उठा सकते है. उनका जवाब सकारात्मक था और उन्होंने नियमित आधार पर लेनदेन करना शुरु कर दिया. वे पीएमजेडीवाई खाते एवं रुपे डेबिट कार्ड की विभिन्न विशिष्टताओं के बारे में जानने के लिए काफी उत्सुक रहते. हमने उनकी सारी शंकाओं का समाधान किया और वे सभी विशिष्टताओं के बारे में अच्छी तरह से परिचित हो गए. उनके खाते में नियमित आधार जमा और नामे का प्रवाह बना हुआ था और वे शाखा चैनल के साथ साथ वैकल्पिक चैनल का भी उपयोग कर रहे थे. बैंक में खाता खोलने से पहले के वित्तीय ज्ञान की तुलना में उनका बैंकिंग और वित्तीय ज्ञान में आश्चर्यजनक रूप से बढ़ा. वे अपने साथी गांववालों को भी पीएमजेडीवाई योजना के अंतर्गत खाता खुलवाने के लिए प्रोत्साहित करते थे. इससे वे अन्य लोगों में बैंकिंग सेवाओं की आदत विकसित करने का प्रयास कर रहे थे और लोगों को इसके लिए प्रोत्साहित भी करते थे। वे हमारे बरई शाखा से नियमित रूप से जुड़े थे और नवीतम बैंकिंग उत्पादों तथा सेवाओं के बारे में सीखने के लिए सदैव तत्पर रहते थे. श्री सिंह ने सावधि जमा खाता खोला है और अपने सभी बच्चों के लिए आवर्ती जमा खाता खोलने की उनकी योजना है. इससे यह सिद्ध होता है कि वे स्वयं ही अपने वित्तीय मामलों का प्रबन्धन करते है तथा पीएमजेडीवाई योजना के अंतर्गत खाता खोलने के बाद वे और अधिक वित्तीय रूप से समर्थ हुए है.